

उत्तमोत्तम

वैदिक

कृत्यायना

॥ २५ ॥

॥ २६ ॥

ननुन संधि वरु कुरु कुरु

नपा
३२ प्रश्न

[illegible][illegible]

सर्वद्वयं चर्यं दिनां स इति कस्य चिन्तनं कल ॥ गणयारकं ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 स्यात् ॥ ७ ॥ काला धली दुदुधेन चर्यं चर्यं अदिन ॥ ८ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 नास्यं कन ॥ काव ॥ ९ ॥ काला धली दुदुधेन चर्यं चर्यं अदिन ॥ १० ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 चन्दन दिन ॥ लयवर्ग ॥ लय लयान ॥ कामक लय लयान ॥ कोया कथं इति ॥ ११ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 कलमीन सायाव ॥ लाकन क्का या युगित्तु कन ॥ १२ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 स्वम ॥ आवया धीं उवव वव उवव ॥ १३ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 धिमिसानन लय ॥ १४ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 या ॥ धिक्कमदन स्वगासन ॥ १५ ॥ धिक्कमदन स्वगासन

आन २

ॐ

वा ॥ आसरा आस उं कावा ॥ १६ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 अमर्थ कनसा ॥ अन अद्वय ॥ १७ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 य ॥ अन आथामयूरा ॥ १८ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 न ॥ अभाव कमन रुखम ॥ १९ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 अथव क्का यावा ॥ विर्यं स्यं थिं ॥ २० ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 युद्ध ॥ लया गसन ॥ २१ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 वर्य ॥ २२ ॥ धिक्कमदन स्वगासन
 ३६ ॥ ३७ ॥ धिक्कमदन स्वगासन

न ३

